



ગુજરાત

પોલીસ કોન્સ્ટેબલ

**Gujarat Police Department**

ભાગ – ૧

ઈતિહાસ, માનસિક અને ગાણિતિક સજ્જતા



# ગુજરાત પોલીસ કોન્સ્ટેબલ

ઈતિહાસ + માનસિક અને ગાણિતિક સજ્જતા

## ઈતિહાસ

1	વૈદિક કાળ (ઈ.સ. 1300)	2
2	વર્ણમાળા	4
3	અજાત શત્રુ	5
4	બૌદ્ધ ધર્મ	6
5	શકવંશ	10
6	પહલવ	11
7	કુષાણ વંશ	12
8	વાસુદેવ પ્રથમ	14
9	ગુપ્ત વંશ	15
10	ચંદ્રગુપ્ત દ્વિતીય	18
11	સ્કંદગુપ્ત	19
12	હર્ષવર્ધન	21
13	ચાણક્ય વંશ	22
14	કદમ વંશ	23
15	રાજરાજ ચોલે	25
16	મધ્યકાલીન ભારત	28
17	મોહમ્મદ ગઝનવી	29
18	ફિરોજશાહ તુગલક (FST)	33
19	સૈયદ વંશ	35
20	લોદી વંશ	36
21	કેન્દ્રીય પ્રશાસન	40
22	ન્યાય અને દંડ વ્યવસ્થા	43
23	મહેસૂલ વિભાગ (રાજસ્વ )	44
24	વિજયનગર સામ્રાજ્ય	45

25	Modern History	57
26	औद्योगिक यरण	58
27	1857 नी क्रांति	60
28	मोडर्न भारत	63
29	1935 भारत शासन अधिनियम (लघु बंधारण)	74
30	मुस्लिम लीग अने पाकिस्ताननी मांग	76
31	भारत छोडो आंदोलन	78
32	सुभाषचंद्र बोस अने आजाद हिंद फौज	79
33	डेबिनेट मिशन (1946)	81
34	सिंधु जीवनी सभ्यता	84
35	गुजरातना मथको	85
36	गांधीजी	89
37	सत्याग्रहो	90
38	गुजरात विद्यापीठ	92
39	भारडोली सत्याग्रह	94
40	राजपूत वंश (ई.स. 746 - 1304)	96
41	सोलंकी वंश (ई. स. 942 -1244)	98
42	मूणराज सोलंकी	99
43	वाघेलावंश (1244 -1304)	104
44	गुजरात सांस्कृतिक वारसो	107
45	लोक नृत्यो	108
46	लोकनाटक भवार्थ	108
47	कथ	113
48	गुजरातनी राजनीति	118
49	नास्तिक	120
50	शिल्पो	122
51	स्वतंत्र सल्तनत	124
52	चांपानेर	127
53	गुजरातमां मुगल	129
54	भराठा युग (1734 -1857)	134
55	संस्कृति (ई. स. पूर्वे 1500 -600)	138

56	ગુજરાતનો ઇતિહાસ	146
57	મધ્યકાલીન ગુજરાત	149
58	આર્ટ અને કલ્ચર	154
59	જૈન ધર્મ	158
60	મોર્ય યુગ	162
61	ચંદ્રગુપ્ત મોર્ય	162
62	બિંબિસાર	163
63	અશોક	164
64	ગુપ્તનું વહિવટી તંત્ર	165
65	ગુપ્તનું વિજ્ઞાન	166
66	સોલંકી કાળ અને વહીવટી તંત્ર	167

## માનસિક અને ગાણિતિક સજ્જતા

1	વર્ગ - વર્ગમૂળ તથા ઘન - ઘનમૂળ	168
2	સંખ્યા જ્ઞાન,	170
3	સંખ્યાઓના પ્રકાર	170
4	દશાંશ અપૂર્ણાંક	172
5	લ.સા.અ અને ગુ.સા. અ.	173
6	બીજગણિતની ભૂમિકા અને સાદુરૂપ	174
7	ઘાત અને ઘાતમૂળ	175
8	સરેરાશ અને ભારિત સરેરાશ	176
9	ટકાવારી	178
10	ગુણોત્તર પ્રમાણ, હિસ્સો-ચલ, ત્રણ સાંકળનો નિયમ	180
11	સાદુવ્યાજ	183
12	ચક્રવૃદ્ધિ વ્યાજ	185
13	નફોખોટ	187
14	કામ, સમય, મહેનતાણું અને ભાગીદારી	189
15	અંતર, સમય અને ઝડપ (સાપેક્ષ ગતિ, ટ્રેન, નાવ અને સ્ટીમર સંબંધિત પ્રશ્નો)	191
16	શ્રેણી તથા આંકડાશાસ્ત્ર, મધ્ય, મધ્યસ્થ અને બહુલક	193
17	શ્રેણી અને શ્રેઢી	196
18	કોચડા, સમીકરણ, ઉંમર સંબંધિત પ્રશ્નો	199

19	રૈખિક સમીકરણ	201
20	વર્ગાત્મક સમીકરણ	203
21	ભૂમિતીનું માળખું	204
22	ક્ષેત્રફળ અને પરિમિતિ	207
23	ઘનફળ	208
24	ત્રિકોણમિતિ	209
25	અંતર અને ઊંચાઈ	211
26	ક્રમચય અને સંચય	213
27	સંભાવના	215
28	કાર્તેઝિયન યામ પદ્ધતિ.	217
29	ગણિત વિશે જાણવા જેવું	218
30	ગણનો સિદ્ધાંત	219
31	તાર્કિક વેન આકૃત્તિ	221
32	ફેલેન્ડર સંબંધિત કોયડાઓ	222



ઈતિહાસ

द्वैतवाद - माधवाचार्य	सांख्यदर्शन - कपीलमुनी
अद्वैतवाद - शङ्कराचार्य	योगदर्शन - पातंजली
विशिष्ट द्वैतवाद - रामानुजाचार्य	उत्तरमीमांसा - जगद्गुरु
त्रैताद्वैतवाद - निम्बड्याचार्य	पूर्वमीमांसा - जैमिनीय
बुद्धद्वैतवाद - वल्लभाचार्य	वैशेषिक - इडाए
	न्याय - गौतम

द्वैतवाद - माधवाचार्य	सांख्य - कपील
त्रैताद्वैतवाद - निम्बड्याचार्य	योग - पातंजली
द्वैतवाद - शङ्कराचार्य	न्याय - गौतम
विशिष्ट द्वैतवाद - रामानुजाचार्य	वैशेषिक - इडाए
बुद्धद्वैतवाद - वल्लभाचार्य	उत्तरमीमांसा - जगद्गुरु
	पूर्वमीमांसा - जैमिनीय

अरुणायक प्रवेश

मीजोरम

अरुणायक प्रवेश

नागालैण्ड

मड्रापुर

मैदालय

मड्रापुर

सिक्किम

नागालैण्ड

असम

असम

मड्रापुर

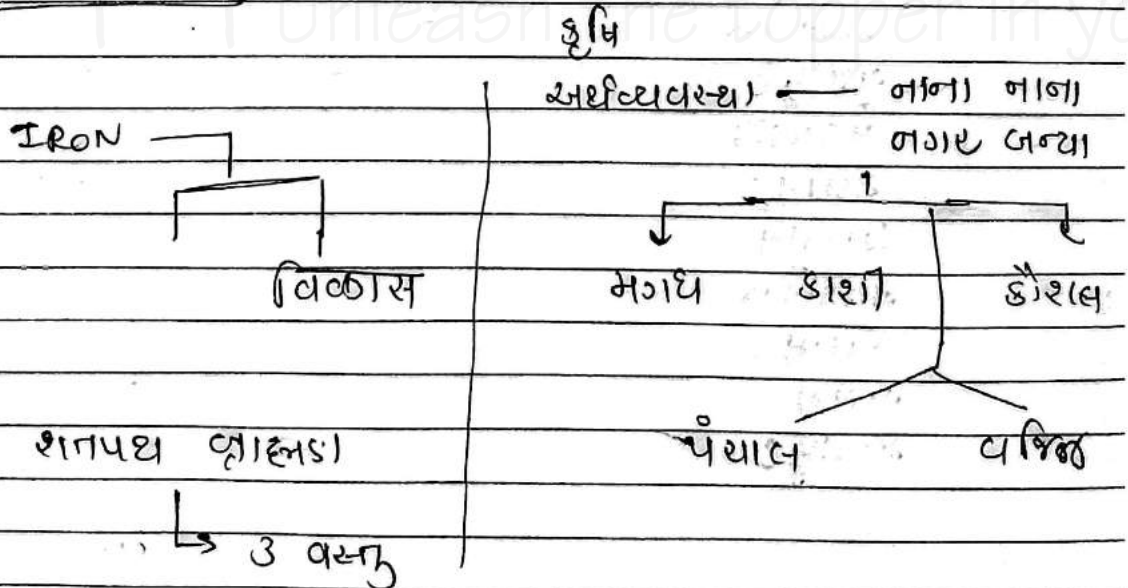
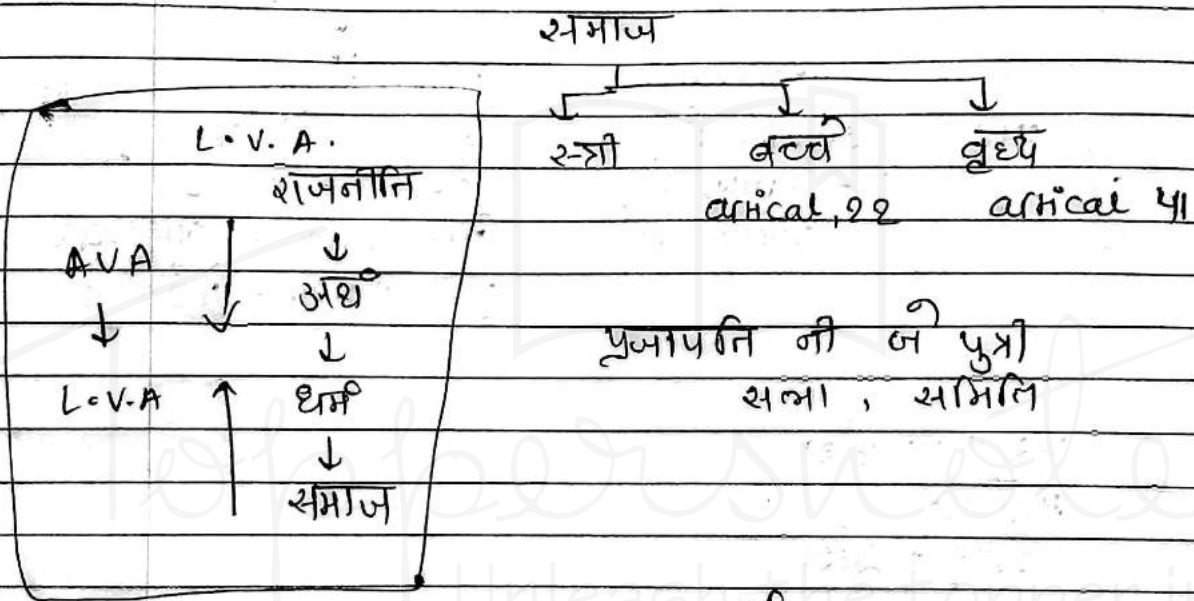


वैदिक काल (घ.स. पूर्व 1300)

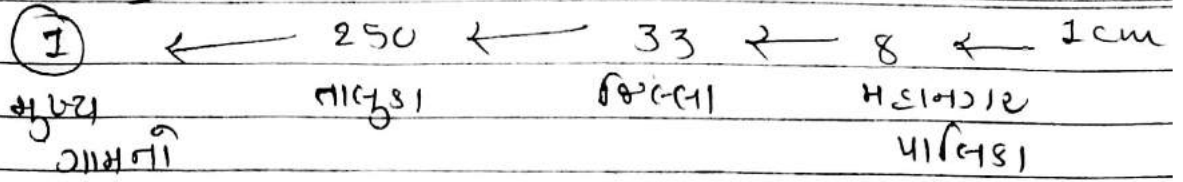
उत्तर वैदिक काल (घ.स. पूर्व 1000 था 500)

L → L.V.A. [Latere Vedic Age]

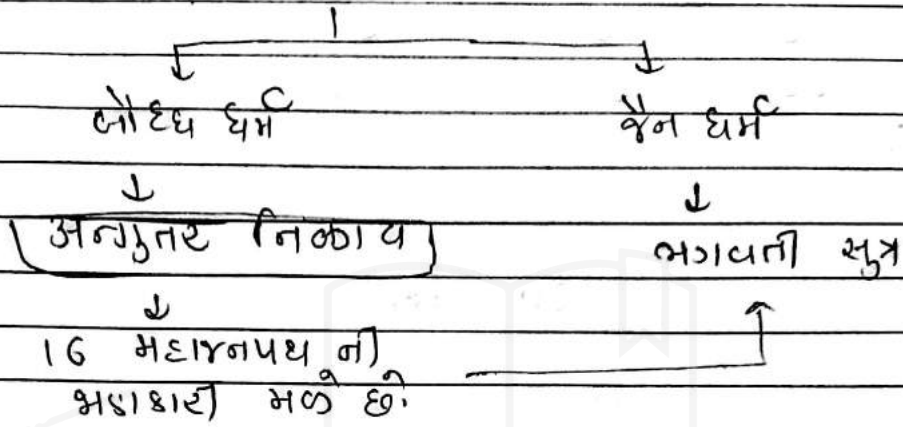
साम्राज्य  
समाज → राजनीति → अर्थ, धर्म



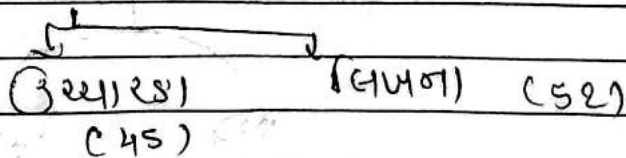
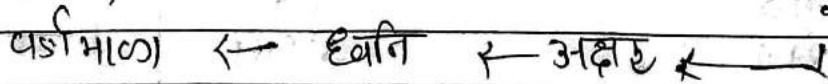
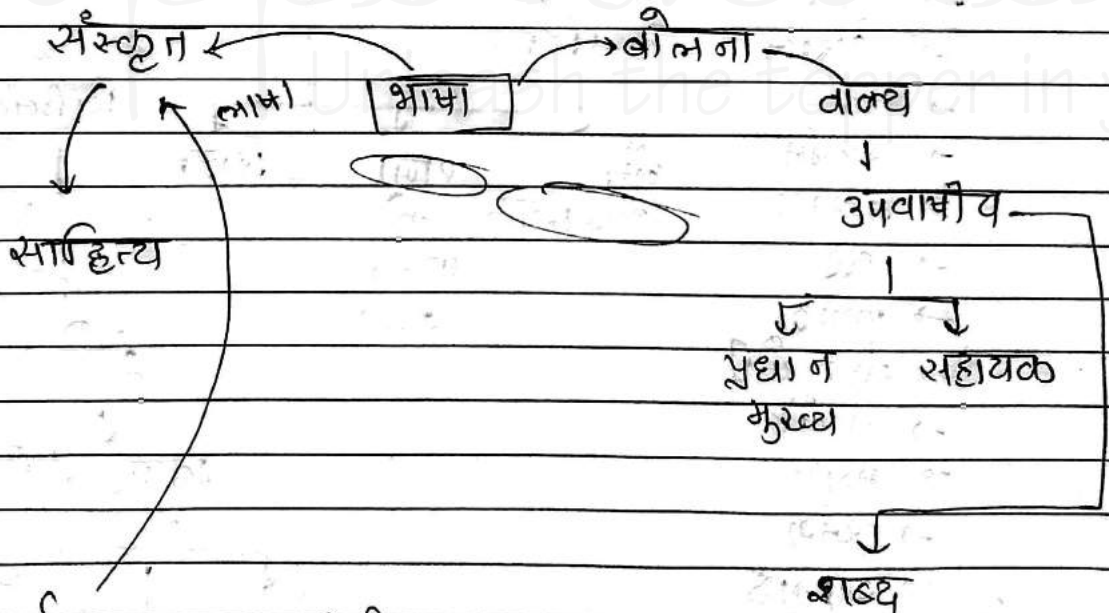
गाँव → नगर → इतिहास → महाजन → महाजन पथ →  
राज्य → साम्राज्य



महाजन पद्य



मगाध







अज्ञात शत्रु

प्रशान्तजीहित (मामा)

कौशल  
(डाशा)

वज्जि

एतसकार → कुरनितवी विजय.

धनानंद

ना दरबार मांथी

दाणवीय

बंगाल

लक्ष्मीला

विष्णुगुप्त

डोटिल्य

होडराया

गोम रमता एता.

राजकीकलम मे → राजवन) नियम

दाणवीय

खरोद लतह

जाळक लंडु एतु

शासक कौन

त्याची जाळक

लक्ष्मीला लंघ

जया व मवांपुग

आपोने सैनिक

मनाच्या अने ती

(चंद्रगुप्त मौर्य

एता.)

दिवे गडू अपराध घंड के अनुरूप था।

तडने सटारी लंधी

प्रमाडा दीक → प्रशासक के गुण

सही के गमत

उचित

अनुचित

निक्षपहता

तक

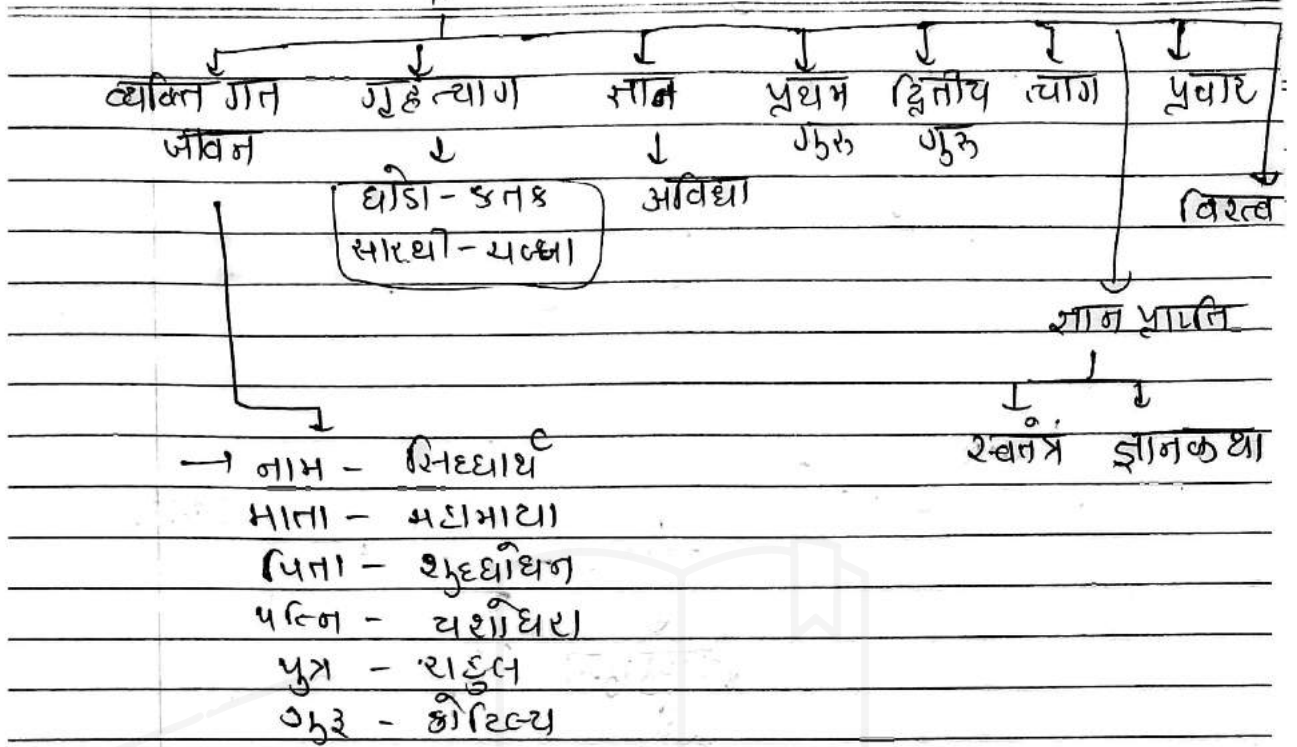
ईमानदारी

श्वाभट्टी

सत्य-

निरिच्छता

## बौद्ध धर्म



### व्यक्तिगत जीवन (२४ वर्ष)

→ पालन पोषण  
(मातामा मृत्यु बाद - (मासी) प्रभपति गौतमी)

जन्म - 563 BC.

मृत्यु - 486 BC.

→ २९ वर्ष की उमिर मां गृहत्याग.

महाभिनिष्क्रीमण इत्याय है.

गृहत्याग (चार दृश्य भया)

1) वृद्ध व्यक्ति

2) बीमार ॥

3) मृत ॥

4) सन्ध्यासी

ज्ञान

↓

1) दुःख है।

2) दुःखों का समुदाय।

3) दुःख से मुक्ति भीनी।

4) दुःख निरोध

प्रतिप्रदा गामिनी

निर्माण

↓  
दीपक नुं आलवार्य रयुं

↓  
धरणाओं नुं अंत → प्रजीत्व → समुदाय

प्रभास

↓

जन्म - दार्थी  
दार्थी नाडव्या = दार्थी  
धुवा प्यवस्था = सांड

२१ वर्ष मां लटार नीडळती वजत

उरवेला (उद्यागे)

दृष्टार ✗  
पुनर्जन्म ✓

अलारु कलाम → प्रथम गुरु

नौ धर्म

डपिल

साश्वत दर्शन - साश्वत → साश्वत दर्शन प्रकृति न  
माने छे.

↓ महत्त्व

→ दृष्टार नै ज्ञाननौ निर्माडा इखावाळौ नदि मानता  
लता.

→ दृष्टार नै सता पर विश्वास नदि करता.

द्वितीय गुरु

रुद्रकरामपुत्र

→ योगदर्शन

↓

चिंतन

च तपस्या

↓

जस ऊवला मां तपस्या उ ब्राह्मण साधे

↓

पुत्रांतु  
नाम  
सुभता

1) कौडिय

2) लडिक

3) कल्प

4) अश्वथति

5) महानाम

मार नवसावी ता → ब्राह्मण नाराज धरि गया.



उस वर्ष नी वधमां जीभु तपस्या लोडगया मा डरी .

नदी = निरंजना

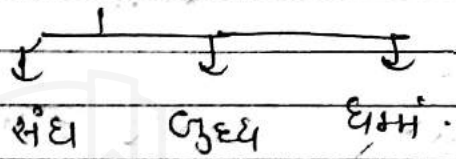
सुड = पीपल

लगवान लोडध नी ज्ञान मळुं

लोडध पुडिमा

निरत्व

मंते

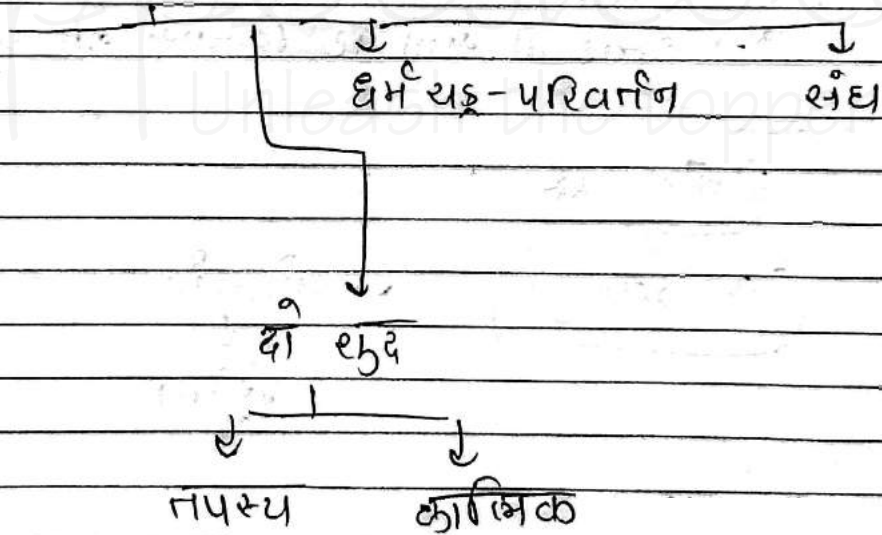


लोडध (पुडाश)

शाडयमुनि

तथागति

उपदेश



प्राचीन भारत में

शड → पहलव - 'कुषाड'।

यस वंश

↓

मिनांडर

पुरातक - मिलिन्द पन्था

↓

महावानी

↑

जौध भिक्षु नागसेन से मिनांडर नी यहाँ

जैरी पोचन सी

व्यापार अर्थव्यवस्था

युनान नी यहाँ व्यापार

सिंध्य क्षेत्र नी उद्योग करिवाय छै.

→ मिनांडर ना सिक्कामा धर्मयुक्त प्रसारना सिक्का यलावती.

→ एह युनानी युद्धशैली वंश

↓

परिक्रम पंथना क्षेत्रमा

↓

शासक → अशोक

↓ राहुत

इलियोडोरिस से भारत मां गुडुद्वय

अभिलेख नी स्थापना करी. विसनगर  
मां.

Important facts (एह युनानी)

→ सौपुथम आ समयमां सिक्का पर राभजीना चित्र अंकित  
करावला छै.

→ सौपुथम सोनाना सिक्का यलाववामां आछा.

→ युना नी अ. ज. भारतमां इंग्ल नामनी सिक्का यलाववा  
छै.



→ इसी माटे गांधार शैली नी शरजात थई.

→ युनानी आ माथी ४ भारतनी इलेन्डर नु गान प्राप्त थक्युं.

→ युनानी आ आ भारतनी इलेन्डरक इला नुं गान आथ्युं.

### गांधार शैली

↳ (युनान अणु भारतनी शैली मिस्र छै.)

### शक वंश

→ शकनी स्वीधीयन पडा इलाक्युं थकुं. आनी मुन आंधार थिनना हिस साथे मंडायलीं थतौ.

→ वंशनी तेनी शासननी शरक इलाक्ये छै. पांच शासननी थती. १) अश्वघनीस्तान ३) मथुरा ५) उज्जैन  
२) तक्षशिला ४) मद्राष्ट्र

### उज्जैननी शासन

आथे छै. तेनी मद्राष्ट्रनी उपाधि धारण करी थती.

### राष्ट्रनी शक

संस्थापक भुमक थती. आनी प्रमुन शक — थती.

शकनी उपाधि धारण करी थती. तेनी समयनी प्रमुन गार मंडाय थकुं. तेनी सिद्धा नासिड था मळे छै. तांजा अनी चांदीची जनैला थती.

### दामन

दामननी वशिष्ठ पुत्र पुलमावी नी उराव्या थती.

જુ પ્રમાણ જુનાગઢના અભિલેખ થી મળે છે. આ અભિલેખ (સંસ્કૃત ભાષામાં) પદ્મની અભિલેખ છે.

૯૬૦ A.D.) લિપી - પ્રાચી

આ અંકમાત્ર અભિલેખ છે. જેના પદ્મગુપ્ત અને અશોકે ના અંક સાથે નામ મળે છે.

આ અભિલેખમાં સુદર્શન તજવની ફરોથી રચના કરવાની વાત કરી હતી સુવિશાખ દ્વારા.

અંતિમ શાસક

રુદ્રસિંહ તૃતીય હતો. જેમ ગુપ્તવંશ નો શાસક પદ્મગુપ્તો પરાજય કર્યો હતો. અને તેણે વિક્રમાદિત્ય ની ઉપાધી ધારણ કરી.

૬૪ A.D વિક્રમાદિત્ય વાત કરી હતી.

પદ્મવ

૧) પદ્મવ ઈરાની હતો.

→ એની ભારતમાં સંસ્થાપક મિપ્રીટકુસ પ્રથમ હતો.

પ્રથમ શાસક ગૌડકનિજ હતો. → ગદેનદાર તકતેનદિ અભિલેખ મળે છે.

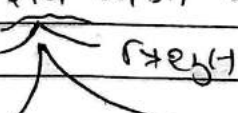
→ આરસના સિકકા પર. ગૌડકનિજ ની વિવેચના ન કરવામાં આવે છે.



## कुशाड वंश

- कुशाड ने चीन का पहिलम क्षेत्रमा रट्टावाला "युधि" लीपरी भति ना ट्टा.
- आ वंशानो अइ राणा बुधशांग तेन (कुशाड) इट्टे छे.  
छेरान → लीडिट्टया  
अइछान → ना क्षेत्र पर जमावडा करवा.
- कुकुल इडडिसैस डालुल अने गाधार पर विजय मेल्लोने पट्टेलावार भारतमा (नांजाना) सिडडा यलाववामा आव्या ट्टा.
- प्रथम वजत ले आकृति ३ द्वीभाषा ट्टे छे.
- द्वीभाषी सिडडा कुकुल इडडिसैस ना समयमा यलाववामा आव्या ट्टा.
- आनी उपाधी महाराज वैमा विम इडडिसैस

## विम इडडिसैस

- आनी शासक → पंभल तथा तक्षशिलाना क्षेत्रमा ट्टु. तेडी तांजाना सिडडा सर्वाधिक यलाव्या ट्टा. आने सोनाना दिगार नामना सिडडा नु पट्टेलावार यलाववामा मुड्या ट्टा.
- आ अंतिम शासक ट्टा तेडी हुमाषी सिडडा यलाव्या ट्टा. आ पहिली शासक ट्टा तेडी सिडडा पर लैनु नाम राख्यु ट्टु. सिडडा पर उपर.
- आना सिडडा पर शिव लक्षण ना उत्सव मळ छे.  
नदी  त्रिशुल  
त्रिशुल धार शिव नुं चित्र मळ छे.

→ आनी उपाधी महाराज, राज, धिराज.

### उनिपड

→ आ कुषाण वंशानी सर्वाधिक महान शासक एता.

→ आनी सगळ्या यत्नान लौधेय संगनीनु आवो विन कर्तुं एतुं.  
उश्मिरना कुंडलवर्मा

→ पार्स नामना लौधेय लिङ्गुनी प्रेरणांमधी कुनिपडनी लौधेय धर्म स्वीकार करतो एता. कुनिपड शक संघातनी शासनात करी एता.

→ मैथुरमा कुनिपडनी ऐनिक पौसाकमा मंडित मूर्ति मळी छे.

→ कुनिपड उश्मिरमा कुनिपडपुर अनी लक्ष्मिणामां शिखथ नगरनी स्थापना करी एता.

→ कुनिपडनी आंतरराष्ट्रीय शासक फा कुंवागां आवी छे.

तेनी जी राजधानी एता → पुष्प पुर (पेशावर)

→ मथुरा

### उपाधी

→ ह्येयुग थाना महाराज धिराज.

→ आनी हरणारमां लौधेय विद्वान अश्वधीष, लक्ष्मिण एता.

पाश्व नामना विद्वान रीता एता. आ नागाकुन अनी

थरड कुनिपड शुभ सोगाना सिद्धा यलाच्या एता.

प्रजाप्रगमिता

### कुलिपड

→ ते शक शासक कुदामन वी पराजय थवा एता.

→ शिव न रूड थाना कुलिपडुना विद्वान मळी छे.



## વાસુદેવ પ્રથમ

- આ પહેલા શાસક હતા તેવી ભારતનું નામ મૂક્યા કર્યુ હતું. તથા તેના શિક્ષક પર શિવ અને વિષ્ણુ નું ચિત્ર સ્થાપિત કર્યુ હતું.

## Art & culture (કલા અને સંસ્કૃતિ)

### કલા

#### ગાંધાર શૈલી

- ગ્રીક યુગના તથા ગ્રીક શૈલી થી પ્રભાવિત હતી. ગાંધાર કલામાં જ ગ્રીક ના પ્રારભિક દેવતા 'અપોલો' નું ચિત્ર મળે છે.

- ગાંધાર કલામાં જોદ્ધના મેત્રેય અવતારની ચર્ચા બરોડા પ્રમાણમાં મળે છે.

- ગાંધાર કલા યાદ્યત કલા ભુવનથી સંબંધિત છે.

- વિશેષ કલા પદ્ધતિ ફીલિનિષ્ટ

- ધર્મ ચક્ર મુદ્રા

#### 1) ભગવાન જોદ્ધ

૨) દયાન મુદ્રા

૩) અભય મુદ્રા (ધરતીને પ્રમાપ્ણામ)

૪) વરદ મુદ્રા (speech)

#### મથુરા શૈલી

- આદેશવાદી શૈલી ની સ્થાપિત કરે છે.

- આની રચના પહેલી શતાબદી માં થયેલી હતી.

- અને ભાવચિત્ર બનાવ્યા છે. શૈલી ઉપર

- સાંચ અને અનુભવ રચના કરવામાં આવી હતી.

## गुप्त वंश

1) साहित्यिक स्तौति

↓

- पुरासा

↓

नास्य पुरासा

विषय ॥

वाक्य ॥

2) पुरस्कार

द्वैपायं गुप्तम

↓

रचना - विशाखाएत

- कामसूत्र

वात्सायन उ कामसूत्र

शुद्ध - मुरखडिडम

शायदान (पवित्र अर्थ)

रचना - (कौ-ड्यौ-डी) मां भारत. विशी नी अशाक्षरी मळी छी. भारतमां डाकु नी रचना मळी छी. तैना कहीवा प्रभाषी मध्यप्रदेश नी सर्वाधिक व्यवसित प्रदेश कहीलु गनुं.

→ यं गुप्तना मडेल नी ~~कवित्त~~ शायदान सर्वाधिक मडेल नी रचना छी तैम कहीलुं गनुं.

## कालीदास

→ ऋतुसंहार, मेघदूत, अलंकार शकुंतलम, कुमारसंभव, रघुसंभव

दु सैन तसौंग

→ आनी रचनाकुं नाम (सा-यु-डी)

कुमारगुप्त, लोदथगुप्त, लालादित्य, मानुगुप्त ना नामनी अर्थ करी छी.

→ जिनदरमां नालंदा विद्यापीठ नी स्थापना करी जती. कुमार गुप्त

→ प्रयाग प्रशस्ती अलिलेज

→ गुल्लडाळ

लेखक →

हरिवंश

अशोक

समुद्र

कदांगीर

विरहस

गुल्ल